❋ 25 जून 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ❋

❋ ज्ञान-

1] बाप सुख, शान्ति, प्रेम का सागर है। यही सारा खजाना वह तुम्हें विल करते हैं। ऐसा विल कर देते जो 21 जन्म तक तुम खाते रहो, खुट नहीं सकता। तुम्हें कौड़ी से हीरे जैसा बना देते हैं। तुम बाप का सारा खजाना योगबल से लेते हो। योग के बिना खजाना नहीं मिल सकता है।

2] अभी तुम समझते हो यह पढ़ाई पढ़कर लक्ष्मी-नारायण विश्व के मालिक बने हैं। किसने बनाया? परम आत्मा ने। तुम आत्मायें भी पढ़ाती हो। बड़ाई यह है जो बाप आकर तुम बच्चों को पढ़ाते है और राजयोग भी सिखलाते हैं। कितना सहज है। इसको कहा जाता है राजयोग। बाप को याद करने से हम सतोप्रधान बन जाते हैं।

3] अभी तुम बच्चों को बाप बैठ पढ़ाते हैं। उनको कहा जाता है कल्याणकारी। बाप अपना परिचय देते हैं, मेरे लिंग की तुम पूजा करते थे, उनको परम आत्मा कहते थे। परम आत्मा से परमात्मा हो जाता।

4] रघुनाथ मन्दिर में काला चित्र दिखाते हैं, अर्थ तो उनका कुछ भी समझते नहीं। अभी तुम बच्चों को बाप बैठ समझाते हैं। ज्ञान चिता पर बैठ गोरे बनते हो, काम चिता पर बैठ काले बन पड़ते हो। देवतायें वाम मार्ग में जाकर विकारी बन पड़े फिर उनका नाम देवता तो रख नहीं सकते। वाम मार्ग में जाने से काले बन पड़े हो, यह निशानी दिखाई है।

5] मैं उसमें आता हूँ, जिसने पहले-पहले भक्ति शुरू की। द्वापर से लेकर भक्ति शुरू हुई है। यह हिसाब-किताब कोई समझ न सकें। कितनी गुप्त बातें हैं। मैं आता हूँ उसमें तो पहले-पहले भक्ति शुरू की। द्वापर से लेकर भक्ति शुरू हुई है।

6] बाप कहते मैं जिसमें प्रवेश करता हूँ, इसमें तो पूरी जंक चढ़ी हुई थी– पुराना देश, पुराना शरीर, उसके बहुत जन्मों के अन्त में आता हूँ, कट जो चढ़ी है वह कोई उतार न सके। कट उतारने वाला एक ही सतगुरू है, वह एवर प्योर है। यह तुम समझते हो।

7] वर्थ पाउण्ड तो तुम बनते हो। अभी तुम स्टूडेन्ट हो। यह भी स्टूडेन्ट है, यह भी बहुत जन्मों के अन्त में है। कट चढ़ी हुई है। जो बहुत अच्छा पढ़ते, उसमें ही कट चढ़ी हुई है। वही सबसे पतित बनते हैं, उनको ही फिर पावन बनना है। यह ड्रामा बना हुआ है। बाप तो रीयल बात बताते हैं। बाप है ट्रुथ। वह कभी उल्टा नहीं बतलाते। यह सब बातें मनुष्य कोई समझ न सकें।

❋ योग-

1] यहाँ देह-भान के जो भिन्न भिन्न रूप हैं, उन्हें जानकर, देह-भान को देही-अभिमानी स्थिति में परिवर्तन कर देना- यह विधि है बेहद के वैरागी बनने की।

❋ धारणा-

1] बाबा अभी भी कहते हैं तुम्हारा खान पान बीच का साधारण होना चाहिए। न बहुत ऊंच, न बहुत कम।

❋ सेवा-

1] मीठे बच्चे– बाप उस रथ में आते हैं, जिसने पहले-पहले भक्ति शुरु की, जो नम्बरवन पूज्य था फिर पुजारी बना है, यह राज़ सबको स्पष्ट करके सुनाओ।

2] तुमसे मनुष्य आरग्यु बहुत करते हैं, बाबा के आगे भी आकर आरग्यु ही करेंगे। फालतू माथा खपायेंगे। फायदा कुछ भी नहीं। यह समझाना तो तुम बच्चों का काम है। तुम बच्चे जानते हो बाबा ने हमको कितना ऊंच बनाया है। यह पढ़ाई है।